हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश

प्रथम कार्यशाला

कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में 18 मार्च, 2025 को कार्यपालक प्रशिक्षुओं एवं अन्य कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता श्री आर.सी.बहुगुणा, महाप्रबंधक (विधि एवं माध्य.) ने की । इस अवसर पर श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक (राजभाषा) श्री बहुगुणा का स्वागत प्लांट भेंट कर किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का

स्वागत करते हुए कार्यशाला की रुपरेखा पर प्रकाश डाला। श्री बहुगुणा ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यशाला कार्यपालक प्रशिक्षुओं के लिए रखी गई है जो कि उनके दैनिक कार्य में बहुत सहायक सिद्ध होगी। यहां पर उपस्थित अधिकांश लोग 'क' क्षेत्र से हैं और उनकी मातृभाषा भी हिंदी है, इसलिए हिंदी में कार्य करने में हिचक नहीं होनी चाहिए। कार्यशाला के प्रथम सत्र में श्री संतोष टेलकीकर, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने प्रतिभागियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति, अधिनियमों एवं नियमों की जानकारी दी। इसके बाद श्री नरेश सिंह, सहायक हिंदी अधिकारी ने तिमाही प्रगति रिपोर्ट में भरी जाने वाली मदों पर चर्चा की। भोजनवकाश के बाद श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक (राजभाषा) ने शब्दों के शुद्ध रूप, अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्याय एवं नोटिंग ड्राफ्टिंग का अभ्यास कराया । कार्यशाला में प्रतिभागियों को अंग्रेजी से हिंदी की शब्दावलियां एवं साहित्यक पुस्तकें भी वितरित की गई।

द्वितीय कार्यशाला

कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में 13 जून, 2025 को गैर कार्यपालकों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ अमर नाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.

एवं प्रशा.) ने की । इस अवसर पर श्री एस.बी.प्रसाद, उप महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.) श्री त्रिपाठी का स्वागत पुस्तक एवं पुष्प भेंट कर किया। इस अवसर पर डॉ. त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि यह हर्ष की बात है कि निगम में राजभाषा कार्यान्वयन बहुत सुदृढ़ अवस्था में है। पिछले वर्ष 14 सितंबर, 2024 को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के द्वारा निगम को प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाना और 29 जनवरी, 2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पुरस्कार योजना नराकास वैजयंती के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाना इसका प्रमाण है। हाल ही में विद्युत मंत्रालय ने भी निगम को राजभाषा ज्योति शील्ड से पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की है जो कि आगे 19 जून, 2025 को आयोजित होने वाली हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में प्रदान किया जाएगा। हमें अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है जिससे राजभाषा हिंदी के माध्यम से किए जा रहे राष्ट्रनिर्माण के कार्य में हमारा योगदान जारी रहे।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक (राजभाषा) ने प्रतिभागियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति, अधिनियमों एवं नियमों की जानकारी दी तथा राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम की प्रमुख मदों पर चर्चा की। । इसके बाद श्री नरेश सिंह, सहायक हिंदी अधिकारी ने तिमाही प्रगति रिपोर्ट में भरी जाने वाली मदों पर चर्चा की। श्री संतोष टेलकीकर, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने प्रतिभागियों को हिंदी ई-टूल्स के बारे में जानकारी दी तथा नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग का अभ्यास कराया । कार्यशाला में प्रतिभागियों को अंग्रेजी से हिंदी की शब्दावलियां वितरित की गई।

****

टिहरी एवं कोटेश्वर यूनिट

प्रथम कार्यशाला

टिहरी में 21 मार्च, 2025 को अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर महाप्रबंधक, मानव संसाधन एवं प्रशासन, श्री डी.पी.पात्रो ने की। मुख्य संकाय सदस्य के रूप में श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक (हिंदी), टीएचडीसीआईएल ऋषिकेश एवं श्री संतोष तुकाराम टेलकीकर, सहायक प्रबंधक (हिंदी), टीएचडीसीआईएल ऋषिकेश उपस्थित रहें। कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय द्वारा राजभाषा के स्वरूप एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कार्यालय में अपना कार्य शत-प्रतिशत हिंदी में संपन्न कर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया। कार्यालय के काम-काज में हिंदी भाषा के सरल एवं सहज रूप का प्रयोग करने के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित भी किया। हिंदी कार्यशाला के संकाय सदस्य, श्री पंकज कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को 'राजभाषा नीति/नियम/ अधिनियम' एवं

'सरल हिंदी का प्रयोग' पर सारगर्भित एवं प्रभावशाली वक्तव्य देते हुए अपने अनुभवों से प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। अतिथि संकाय श्री संतोष तुकाराम टेलकीकर, द्वारा नोटिंग और ड्राफ्टिंग का अभ्यास कराया गया साथ ही 'राजभाषा हिंदी एवं तकनीकी शब्दावली' पर महत्वपूर्ण प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यशाला का संचालन सुश्री बानी शुक्ला, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) एवं श्रीमती नीरज सिंह, सहायक अधिकारी (हिंदी) द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी के 27 अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। श्री आर.डी.ममगाईं, उप प्रबंधक द्वारा कार्यशाला के अध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त किया गया।

द्वितीय कार्यशाला

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी में दिनांक 23.05.2025 को टिहरी एवं कोटेश्वर कार्यालय में स्थित अधिकारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री डी.पी.पात्रो ने की। मुख्य संकाय सदस्य डॉ संजीव नेगी, प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, डोईवाला, देहरादून एवं आंतरिक संकाय श्री इन्द्र राम नेगी, प्रबंधक (हिंदी), टीएचडीसीआईएल टिहरी द्वारा कार्यशाला के सत्रों में व्याख्यान दिए गए। कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री डी.पी.पात्रो एवं संकाय सदस्य, डॉ संजीव नेगी के साथ ही श्री इंद्र राम नेगी, प्रबंधक (हिंदी), श्री आर.डी.ममगाईं उप प्रबंधक (जनसंपर्क/हिंदी) एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर श्री पात्रो ने राजभाषा के स्वरूप एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यालय में अपना कार्य शत-प्रतिशत हिंदी में संपन्न कर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया। कार्यालय के काम-काज में हिंदी भाषा के सरल एवं सहज रूप का प्रयोग करने के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित भी किया। हिंदी कार्यशाला के संकाय सदस्य, डॉ संजीव नेगी ने उपस्थित प्रतिभागियों को 'राजभाषा नीति/नियम/अधिनियम' एवं 'सरल हिंदी का प्रयोग' पर सारगर्भित एवं प्रभावशाली व्याख्यान देते हुए अपने अनुभवों से प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री इन्द्र राम नेगी, प्रबंधक (हिंदी) द्वारा नोटिंग और ड्राफ्टिंग का अभ्यास कराया गया, साथ ही 'राजभाषा हिंदी एवं तकनीकी शब्दावली' पर महत्वपूर्ण प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यशाला का संचालन सुश्री बानी शुक्ला, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। अंत में श्री आर.डी.ममगाईं, उप प्रबंधक द्वारा कार्यशाला के अध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त किया गया।

****

खुर्जा एसटीपीपी

प्रथम कार्यशाला

खुर्जा एसटीपीपी कार्यालय में दिनांक 24.03.2025 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, वरि. प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशा.) ने आमंत्रित वक्ता श्री प्रेम सिंह, पूर्व संयुक्त निदेशक (राजभाषा विभाग) को प्लांट भेंट कर सम्मानित किया। कार्यशाला को दो सत्रों में संचालित किया गया । प्रथम सत्र में पारिभाषिक शब्दावली ज्ञान तथा द्वितीय सत्र में पत्राचार के प्रकार व टिप्पण-आलेखन की विस्तृत जानकारी दी गई। उक्त कार्यशाला में टीएचडीसी-खुर्जा कार्यालय के कुल 24 अधिकारी/कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। श्री दिलीप कुमार द्विवेदी ने कार्यशाला की उपयोगिता पर बल देते हुए उपस्थित प्रतिभागियों को अधिक से अधिक हिंदी में काम-काज करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया । श्री यशवंत सिंह नेगी, कनिष्ठ अधिकारी (हिंदी) ने कार्यशाला का संचालन किया । कार्यशाला को सम्पन्न करते हुए श्री नेगी ने आमंत्रित वक्ता, श्री प्रेम सिंह जी का आभार व्यक्त किया और कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी से अधिकतर हिंदी में काम-काज करने का आग्रह किया ।

द्वितीय कार्यशाला

खुर्जा एसटीपीपी में 26 जून, 2025 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कार्यपालक निदेशक(परियोजना), श्री कुमार शरद ने आमंत्रित मुख्य वक्ता श्री सतीश कुमार पांडे, पूर्व उप निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली को प्लांट भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को कार्यालयी काम-काज में हिंदी का महत्व बताते हुए अधिकांशतः हिंदी में काम करने के निर्देश दिए। कार्यशाला का संचालन दो सत्रों में किया गया । जिनमें परिभाषिक शब्दावली ज्ञान तथा दैनिक प्रयोग में आने वाली

अभिव्यक्तियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में विषय वस्तु में रुचि लेते हुए कुल 25 कार्मिकों ने प्रतिभाग कर स्वयं को लाभान्वित किया। श्री यशवंत सिंह नेगी, कनिष्ठ अधिकारी, हिंदी ने कार्यशाला का संचालन किया करते हुए इस कार्यशाला को राजभाषा कार्यान्वयन में तकनीकी शब्दों के प्रयोग में महत्वपूर्ण बताया। कार्यशाला की पूर्णता पर श्री नेगी ने आमंत्रित मुख्य वक्ता श्री सतीश कुमार पांडे और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

****

वीपीएचईपी, पीपलकोटी

प्रथम कार्यशाला

वीपीएचईपी पीपलकोटी में 18 मार्च, 2025 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ परियोजना प्रमुख श्री अजय वर्मा के साथ महाप्रबंधक (यांत्रिक, समा. एवं पर्या.) श्री जे.एस. बिष्ट, एवं महाप्रबंधक (टीबीएम) श्री के.पी. सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। श्री अजय वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि "राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और इसके सतत उपयोग से सरकारी कार्यों की दक्षता एवं प्रभावशीलता में वृद्धि होती है। हमें हिंदी को अपने कार्यालय के कार्यों में अधिकाधिक अपनाना चाहिए ताकि सरकारी संचार सरल और प्रभावी बन सके।" इस कार्यशाला में राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं उसके महत्व पर विशेष चर्चा की गई। कार्यशाला में श्री डी.एस. रावत (पूर्व वरिष्ठ हिंदी अधिकारी) ने प्रशिक्षक के रूप में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और हिंदी के प्रावधानों, आधिकारिक कार्य में उसके अनुप्रयोग तथा व्यवहारिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी उपयोग हेतु अनेक उपयोगी सुझाव दिए।

द्वितीय कार्यशाला

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में 19 जून, 2025 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के अंतर्गत राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यालयीन कार्यों में अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ परियोजना

प्रमुख श्री अजय वर्मा (मुख्य महाप्रबंधक), श्री के.पी. सिंह (महाप्रबंधक, टीबीएम/सामाजिक एवं पर्यावरण), श्री पी.एस. रावत (महाप्रबंधक, विद्युत गृह) तथा कार्यशाला के प्रशिक्षक डॉ. दिगपाल सिंह (सहायक प्रोफेसर) द्वारा किया गया। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग, राजभाषा अधिनियम एवं नियमों की जानकारी दी गई।

****

अमेलिया कोल माइन

अमिलिया कोल माइन परियोजना में 26 मार्च 2025 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ श्री राजीव गोविल महाप्रबंधक (परियोजना), बाह्य संकाय (वक्ता) डा. एन. पी. प्रजापति, श्री डी. एस. राव, वरि.प्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.), श्री राजीव रंजन सिंह, विभागाध्यक्ष (खान विभाग) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। श्री राजीव गोविल महाप्रबंधक (परियोजना) ने अपने संबोधन में कहा की हिंदी भाषा का प्रयोग एक नैतिक जिम्मेदारी के रूप में समझना चाहिए, जो न केवल कार्यालय के कामकाजी ढांचे को मजबूत करता है, बल्कि भारतीय भाषा और संस्कृति के प्रति सम्मान भी दर्शाता है।

इस कार्यशाला में बाह्य संकाय डा. एन. पी. प्रजापति ने हिंदी भाषा की प्रासंगिकता, उसकी उपयोगिता और कार्यालय के कार्यों में उसकी अहम भूमिका पर गहराई से प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कार्यालय के ईमेल, नोट्स, रिपोर्ट्स आदि में हिंदी का प्रयोग करने के अभ्यास भी कराए। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी के सही व्याकरण, वर्तनी और शब्दों के प्रयोग की महता समझाई गई। कार्यशाला के अंत में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कई प्रश्न किए और वक्ता ने उन्हें हिंदी भाषा के विविध पहलुओं से संबंधित समाधान दिए।

****